ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए जयपुर में सेक्टर रोड का जाल बिछाने की तैयारी

जे.डी.ए. आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने जोन उपायुक्तों और इंजीनियर्स की बैठक ली

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में ट्रैफिक दबाव कम करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) प्रशासन सेक्टर सड़कों का जाल बनाएगा। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर प्रस्तावित सेक्टर रोड के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। सड़क निर्माण प्रक्रिया को पारदर्शी और त्वरित बनाने के लिए अधिकारियों को नवीन एस.ओ.पी. के मुताबिक काम करने के लिए कहा।

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने मंगलवार को अधिकारियों की बैठक लेकर सेक्टर रोड निर्माण को लेकर चर्चा की।

- उन्होंने 15 दिन में तमाम प्रस्तावित सेक्टर रोड का पीटी सर्वे करवाकर काश्तकारों से जमीन अवाप्ति की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए

जेडीए कमिश्नर ने कहा कि, सड़कों का पीटी सर्वे 15 दिन में जोन उपायुक्त करवाएंगे। साथ ही मौके पर काबिज काश्तकारों व खातेदारों को नोटिस भी जारी करेंगे। प्रभावित काश्तकार-खातेदारों से सहमति प्राप्त करके मौके पर शिविर लगाकर आरक्षण पत्र जारी करें। परंतु इससे पहले किसानों को उनकी जमीन के नजदीक ही सरकारी भूमि चिन्हित करके योजना सृजित करने का काम भी उपायुक्त करेंगे। काश्तकारों को उनकी भूमि के खसरे/उसी ग्राम में सरकारी भूमि नहीं मिलने पर अन्य स्थान पर भूमि दें। भूमि चिन्हित करने के उपरान्त आयोजना शाखा इसकी प्लानिंग करे और अभियांत्रिकी शाखा द्वारा मूलभूत सुविधाऐं विकसित करे।

आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि, जयपुर के बढ़ते क्षेत्र को देखते हुए खातीपुरा रेलवे स्टेशन, द्रव्यवती नदी, दांतली रोड ओवरब्रिज से गोनेर, दांतली आरओबी से टीआर मार्केट से, दांतली आरओबी से रिंग रोड, रिंग रोड से पालड़ी परसा, खातीपुरा रेलवे स्टेशन प्रहलादपुरा औद्योगिक क्षेत्र रिंग रोड, शिवदासपुरा से बाड़ापदमपुरा, महल रोड से पार्थ नगर तक 100 करोड़ रु. की लागत से कार्य प्रगतिरत है। इसी प्रकार कालवाड़ रोड पर कांटा चौराहा से बोरिंग चौराहा, सी-जोन बाईपास से बैनाड रोड, लोहामंडी से बैनाड़ फाटक बोयथावाला, नारायण विहार से बांस-खो सर्किल, रामपुरा रोड से मोहनपुरा बालाजी, वर्तमान सरोवर, शिव एनक्लेव, पार्श्वनाथ सिटी, नारायण विहार, नारायण सरोवर, महिमा पनाश से प्रभुदयाल मार्ग पर 50 करोड़ रु. की लागत से सड़कें बनायी जा रही है।

सेक्टर सड़कों के अतिरिक्त अन्य सड़कों जैसे कि मोती डूंगरी रोड, विद्याधर नगर, नाहरगढ़ रोड, सिरसी रोड, न्यू सांगानेर रोड, मध्यम मार्ग, शिप्रापथ, ईस्कॉन रोड, पृथ्वीराज नगर-दक्षिण की प्रमुख सड़कें, वाटिका रोड के नवीनीकरण, सुदृढ़ीकरण और मरम्मत पर भी करीब 500 करोड़ रु. खर्च किए जा रहे है।

अब हाथ से नहीं, सॉफ्टवेयर से बनेंगे एम.एल.सी. और पोस्टमार्टम रिपोर्ट

एक फरवरी से अनिवार्य होगा मेडएलईएपीआर सॉफ्टवेयर का उपयोग

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस अब अपनी कार्यप्रणाली को पूरी तरह पेपरलेस और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रहा है। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के आदेशों के क्रम में अब प्रदेश में मेडिकल लीगल केस (एमएलसी) और पोस्टमार्टम रिपोर्ट (पीएमआर) तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होने जा रही है। आगामी 1 फरवरी से राज्य के सभी पुलिस थानों और चिकित्सालयों में हस्तलिखित रिपोर्टों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

- लापरवाही बरतने पर एस.एच.ओ. और एसपी होंगे व्यक्तिगत जिम्मेदार

ऑनलाइन प्रक्रिया ही होगी मान्य

पुलिस महानिरीक्षक अपराध शाखा परम ज्योति ने बताया कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने 17 नवंबर 2025 को दिए अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में स्पष्ट किया है कि भविष्य में सभी प्रकार की एमएलसी और पीएमआर प्रक्रिया केवल मेडएलईएपीआर सॉफ्टवेयरऔर सीसीटीएनएस के माध्यम से ही संपादित की जाएगी। इस संबंध में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध और महानिरीक्षक पुलिस स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

अधिकारियों की तय होगी जिम्मेदारी

नए नियमों के अनुसार यदि एक फरवरी के बाद किसी भी प्रकरण में एमएलसी या पीएमआर रिपोर्ट हाथ से बनाई जाती है या सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं किया जाता है,तो इसके लिए संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों की सीधी जवाबदेही तय की गई है। इसके लिए संबंधित थानाधिकारी,अनुसंधान अधिकारी और संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक,जयपुर एवं जोधपुर के पुलिस उपायुक्त एवं पुलिस आयुक्त व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार माने जाएंगे।

सी.सी.टी.एन.एस. से डाउनलोड होंगी रिपोर्ट

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत अब एमएलसी और पीएमआर के सभी अनुरोध सीसीटीएनएस के माध्यम से ही जनरेट किए जाएंगे। डॉक्टरों द्वारा तैयार की गई अंतिम रिपोर्ट भी सीसीटीएनएस के जरिए ही डाउनलोड की जाएगी। इस व्यवस्था से न केवल समय की बचत होगी, बल्कि कानूनी प्रक्रियाओं में मानवीय हस्तक्षेप और दस्तावेजों में हेरफेर की संभावना भी खत्म हो जाएगी। स्टेट क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के महानिरीक्षक अजय पाल लाम्बा ने समस्त जिला पुलिस अधीक्षकों और आयुक्तों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार में इन आदेशों की कडाई से पालना सुनिश्चित करें।

75 लाख रु. की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

आरोपी हसमुद्दीन खान और लखन केवट

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बडी कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 33.85 ग्राम स्मैक बरामद की है। जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 75 लाख रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस उपायुक्त अपराध अभिजीत सिंह ने बताया कि जयपुर पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सीएसटी टीम ने थाना भांकरोटा पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में आरोपी हसमुद्दीन खान उर्फ सत्तू (22) निवासी गिरधारीपुरा कच्ची बस्ती करणी विहार और लखन केवट (25) निवासी बिहार हाल जयपुर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से 33.85 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस के अनुसार मादक पदार्थों की आपूर्ति से जुड़े नेटवर्क और अन्य तस्करों के संबंध में भी पूछताछ जारी है।

ट्रेन के आगे कूदकर युवक ने की आत्महत्या

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा इलाके में मंगलवार सुबह एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है।

जीआरपी थाना पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान तितरिया गांव निवासी शंकर लाल (40) के रूप में हुई है। वह शिवदासपुरा में पंचर की दुकान चलाता था और पत्नी व तीन बच्चों के साथ रहता था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह बाइक लेकर घर से निकला और शिवदासपुरा रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक किनारे बाइक खड़ी कर ट्रेन के आगे छलांग लगा दी।

ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसकी जेब से मिले मोबाइल फोन को जब्त कर कॉल डिटेल खंगाली जा रही है। पुलिस ने बाइक भी जब्त कर ली है। प्रारंभिक जांच के बाद परिजनों से पूछताछ की जा रही है, ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके।

ज्वैलरी शॉप में सेंधमारी करने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। नारायण विहार थाना पुलिस और जिला विशेष टीम जयपुर दक्षिण ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए ज्वेलरी शॉप में सेंधमारी कर चोरी करने वाले शातिर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी हुए 4 किलो 216 ग्राम चांदी के जेवरात और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। आरोपी ने वेब सीरीज देखकर चोरी की योजना बनाई थी।

नारायण विहार थानाधिकारी गुंजन सोनी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी विकास कुमार यादव (26) निवासी मांडण, जिला कोटपूतली-बहरोड़, हाल सिरसी रोड भांकरोटा है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उस पर क्रेडिट कार्ड और लोन का कर्ज था। जिसे चुकाने के लिए उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

थानाधिकारी ने बताया कि 2 जनवरी को थाना क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी शॉप में साइड की दीवार में सेंधमारी कर चांदी के जेवरात चोरी कर लिए गए थे। मामले में थाना नारायण विहार में प्रकरण दर्ज कर जिला विशेष टीम के सहयोग से लगातार जांच और तलाश की जा रही थी। तकनीकी और सूचना के आधार पर मुख्य अभियुक्त विकास कुमार यादव को डिटेन कर पूछताछ की गई। उसकी निशानदेही पर चोरी का माल बरामद किया गया।

आरोपी विकास कुमार यादव

- पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चुराए हुए 4 किलो 216 ग्राम चांदी के जेवर जब्त किए

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने वारदात से एक रात पहले रेकी की थी। पकड़े जाने से बचने के लिए उसने मास्क का उपयोग किया, अपनी बाइक वारदात स्थल से करीब 3 किलोमीटर दूर खडी की और गलियों के रास्ते पैदल ज्वेलरी शॉप तक पहुंचा। चोरी के बाद भी वही रास्ता अपनाया। आरोपी ने बताया कि वह वेब सीरीज और क्राइम सीरियल देखने का शौकीन है और इन्हीं से प्रेरित होकर उसने चोरी की योजना बनाई। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

जेडीए की सेवाओं में होगा ए.आई. का समावेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा आमजन को दी जाने वाली सेवाओं को अधिक सुगम और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने की दिशा में जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।

उन्होंने प्राधिकरण के सूचना प्रौद्योगिकी कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली गई। बैठक के दौरान आयुक्त महोदय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बदलते तकनीकी परिवेश में जेडीए की कार्यप्रणाली को और अधिक स्मार्ट बनाने की आवश्यकता है। जेडीसी ने निर्देश प्रदान किए कि जेडीए की सभी सेवाओं से संबंधित डाटा का गहन विश्लेषण किया जाए, ताकि कार्यप्रणाली की कमियों को दूर कर उसे और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने विशेष रूप से जोर दिया कि समस्त जेडीए सेवाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग सुनिश्चित किया जावे। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सेवाओं को त्वरित और बेहतर बनाना है, ताकि आमजन सरलता से और बिना किसी परेशानी के प्राधिकरण की सेवाओं का उपयोग कर सकें। इस तकनीक का यह उन्नयन सीधे तौर पर आम नागरिकों की सुविधा के लिए है, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और प्रकरणों का निस्तारण समयबद्ध रूप से हो सकेगा।

सार-समाचार

डिज़ाइन-टेक्नोलॉजी डवलपमेंट वर्कशॉप

जयपुर । विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान द्वारा ग्राम छितरोली में आयोजित डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी डवलपमेंट वर्कशॉप का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह कार्यशाला हस्तशिल्प सेवा केंद्र जयपुर के सीनियर सहायक निदेशक रजत वर्मा के निर्देशन में आयोजित हुई। महासचिव दुर्गा वर्मा ने बताया कि 25 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 30 प्रशिक्षार्थियों को फुलकारी क्राफ्ट के साथ-साथ आधुनिक डिज़ाइन, रंग संयोजन, तकनीकी सुधार, गुणवत्ता नियंत्रण एवं बाज़ारोन्मुख उत्पाद विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक तथा ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों की रचनात्मक क्षमता को सशक्त बनाना, पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक बाज़ार की माँग के अनुरूप विकसित करना तथा स्वरोज़गार के नए अवसर सृजित करना रहा। इस अवसर पर कौशल सत्यार्थी, सृष्टि यादव, लखविंदर कौर, टीकम चंद, जुगल किशोर, दिनेश कुमार आलोरिया, सुमन देवी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बीएसएनएल को ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

जयपुर । ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने राजस्थान संविधान क्लब के सभागार में बिल्डिंग (ऑफिस) केटेगरी में बीएसएनएल-टैक्स बिल्डिंग, एमआई रोड जयपुर को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए -2023 का आयोजन किया गया था। समारोह में मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने ऊर्जा विभाग के अजिताभ शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) और रोहित गुप्ता, आरआरईसीएल, जयपुर के सीएमडी की उपस्थिति में पुरस्कार प्रदान किए। जयपुर के प्रधान महाप्रबंधक विजय सिंह नेमीवाल को बीएसएनएल भवन के लिए ऊर्जा पुरस्कार प्राप्त हुआ। पुरस्कार वितरण समारोह में बीएसएनएल के मुख्य अभियंता (विद्युत) प्रभात कुमार भी उपस्थित थे। बीएसएनएल राजस्थान के मुख्य महाप्रबंधक विक्रम मालवीय और बीएसएनएल जयपुर के प्रधान महाप्रबंधक विजय सिंह नेमीवाल ने बीएसएनएल को मिले इस पुरस्कार पर खुशी जताते हुए कहा कि, बीएसएनएल अपने संयंत्रों में ऊर्जा बचत उपायों को लागू करके बिजली खर्च को कम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीएसएनएल-टैक्स बिल्डिंग, एमआई रोड, जयपुर को ऊर्जा कुशल उपकरण स्थापित करने और एयर कंडीशनर के संचालन को अनुकूलित करके वित्त वर्ष 2022-23 में बिजली की खपत को कम करने के लिए यह पुरस्कार मिला है। इस कार्य में बीएसएनएल के सभी संबंधित अधिकारियों ने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया।

कर्तव्य बोध दिवस का आयोजन

जयपुर । राजकीय महाविद्यालय जगतपुरा जयपुर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वाधान में कर्तव्य बोध दिवस आयोजित किया गया। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर तथा स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा को माल्यार्पण करते हुए सरस्वती वन्दना के साथ की गई। मुख्य वक्ता राजस्थान राज्य भारत स्काउट एंड गाइड के राज्य आयुक्त डॉ. अखिल शुक्ला ने इस अवसर पर स्वहित के स्थान पर राष्ट्र हित सर्वोपरि रखने पर बल दिया। डॉ शुक्ला ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए विद्यार्थियों में इस प्रकार के सद्गुणों का संचार करें की वे राष्ट्र निर्माण में भागीदार हो सकें। इसके अतिरिक्त उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वदेशी ,कुटुंब प्रबोधन,स्वरोजगार आदि विषयों पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में डॉ. हेतराम सिंह, डॉ. सौरभ शर्मा, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. रश्मि वशिष्ठ, डॉ. किरण जेफ़, डॉ. सपना यादव, डॉ. सौरभ एव डॉ. दुर्गा गहन मौजूद थे।

जे.एल.एफ. में विजय राही का सम्मान

जयपुर (कासं)। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में स्वर्गीय सविता माली की स्मृति में द पोएट्री ऑफ रिमेंबरेंस सत्र के दौरान पहले समाई ग्रांट फॉर क्रिएटिव राईटिंग पुरस्कार की घोषणा की गई। यह पहला पुरस्कार राजस्थान के युवा कवि और लेखक विजय राही को प्रदान किया गया, जिसके तहत उन्हें 25 हजार रुपए की इनाम राशि का चैक प्रदान किया गया। इस दौरान पर जयपुर लिटरेचर फ़ेस्टिवल की सह-संस्थापक एवं सह-निदेशक नमिता गोखले; जोधपुर से स्वर्गीय सविता माली के पति भरत माली और उनके बच्चे माधवीं और अर्थविती उपस्थित रहे। उन्होंने विजय राही को पुरस्कार राशि का चैक देकर सम्मानित किया। इसका उद्देश्य उभरते और नए लेखकों को बढ़ावा देना है, जिससे उन्हें रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में आगे बढ़ने में प्रोत्साहन मिले।"

राजीविका-एमएनआईटी के बीच एम.ओ.यू. हुआ

जयपुर (कासं)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) एवं मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर के मध्य आगामी वर्ष में विभिन्न सर्वेक्षण एवं अध्ययन कार्यों के निष्पादन के लिए मंगलवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

इस एमओयू का उद्देश्य राजीविका की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी मूल्यांकन, अध्ययन एवं शोध कार्यों को सुदृढ़ करने हेतु अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। यह साझेदारी नीतिगत निर्णयों की गुणवत्ता बढ़ाने, कार्यक्रमों की संरचना में सुधार तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगी। एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के अवसर पर राजीविका की ओर से नेहा गिरि, राज्य मिशन निदेशक तथा एमएनआईटी की ओर से डॉ. प्रियंका हरजूले, सहायक प्रोफेसर उपस्थित रहीं। यह सहयोग अकादमिक विशेषज्ञता एवं जमीनी अनुभवों के समन्वय की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। एमएनआईटी के साथ यह साझेदारी राजीविका के तथ्यपरक, परिणामोन्मुखी एवं साक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करेगी, जिससे राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए सतत एवं प्रभावी आजीविका अवसर सुनिश्चित किए जा सकेंगे।

डॉ.परिक्षित सिंह के साथ संवाद आज

जयपुर । अजमेर रोड डी.सी.एम. स्थित होटल रीगल में बुधवार दोपहर 3 बजे राईटर्स क्लब, जयपुर द्वारा सुविख्यात दार्शनिक, चिन्तक, अनुवादक और कवि डॉ. परिक्षित सिंह के साथ एक संवाद का आयोजन किया जायेगा।

राईटर्स क्लब के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह 'साहिल' ने बताया कि डॉ. परिक्षित सिंह के साथ हो रहे इस संवाद का मुख्य उद्देश्य भारत व अमरीका दोनों देशों में दर्शन, साहित्य, चिकित्सा सेवा का समाज के सांस्कृतिक परिवेश के वर्तमान व भविष्य पर चर्चा करना है। संवाद में जयपुर के सांस्कृतिक व साहित्यिक क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण हस्तियाँ शिरकत करेंगी।

राजस्थान वाटरग्रिड कॉर्पोरेशन को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता : मुख्य सचिव

जयपुर । मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने इस सम्बन्ध में मंगलवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में चर्चा कर, आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान वाटरग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड को मजबूती प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने इस हेतु निर्देश दिए कि राज्य सरकार और एशियन डवलपमेंट बैंक (एडीबी) के सहयोग से प्रारंभिक प्रोजेक्ट रिपोर्ट (पीपीआर) तैयार कर, भारत सरकार को स्वीकृति के लिए शीघ्र प्रेषित की जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जल संसाधन, आयोजना अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव पर्यटन विभाग, प्रवीण गुप्ता, शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

विधायिका भारतीय लोकतंत्र की धडकन : वासुदेव देवनानी

लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में राजस्थान विधानसभाध्यक्ष का संबोधन

जयपुर (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में मंगलवार को जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही विषय पर विधायिका को स्वयं का आत्म मूल्यांकन करने लोक और तंत्र के सेतु को सतत और सशक्त बनाने, नई चुनौतियों से मुकाबले के साथ भविष्य को प्रभावशाली बनाने के लिए दूरदर्शी उद्बोधन दिया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव जनता का अडिग विश्वास होता है। यह विश्वास जनता से निरंतर संवाद, पारदर्शिता और उत्तरदायित्वपूर्ण आचरण से ही कायम रह सकता है। देवनानी ने विधायिका को भारतीय लोकतंत्र की धडकन बताया है।

देवनानी ने कहा कि विधायिका कोई स्वतंत्र सता-केंद्र नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं का दर्पण है। सदन में बैठने वाला प्रत्येक सदस्य केवल स्वयं का नहीं, बल्कि लाखों नागरिकों की सामूहिक आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की कसौटी यह है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अधिकार पहुंचे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जवाबदेही केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि सदन के प्रत्येक सत्र, प्रत्येक बहस, प्रत्येक प्रश्न और प्रत्येक विधायी हस्तक्षेप में दिखाई देनी चाहिए। एक जीवंत लोकतंत्र वही है जिसमें विधायिका जनता की समस्याओं को केवल सुनती ही नहीं, बल्कि उन्हें गहराई से महसूस कर समाधान के लिए प्रतिबद्ध रहती है। देवनानी ने कहा कि संवैधानिक नैतिकता केवल कोगों पर अंकित शब्द नहीं है, बल्कि यह हमारे रोजमर्रा के विधायी कार्यों का हिस्सा होनी चाहिए। जब हम सदन में बैठते हैं, तो हमें संविधान के ट्रस्टी के रूप में व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि हमारे हाथ में जो शक्ति है, वह जनता द्वारा दी गई पवित्र धरोहर है।

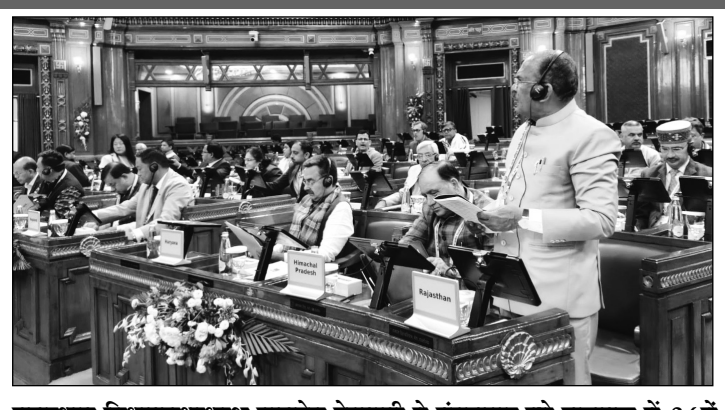

राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को लखनऊ में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

- विधायिका की असली ताकत जनता के विश्वास और जवाबदेही में : देवनानी

देवनानी ने कहा कि विधायी समितियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि समितियां लघु सदन" के रूप में कार्य करती हैं, जहां गहन, निष्पक्ष और तकनीकी समीक्षा संभव होती है। समिति प्रतिवेदन केवल फाडों तक सीमित न रहें, बल्कि उन पर सदन में चर्चा हो और सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किया जाए।

राजस्थान विधानसभा द्वारा उठाए गए डिजिटल नवाचारों के ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख करते हुए देवनानी ने कहा कि आज डिजिटल जवाबदेही का युग है। ऑनलाइन प्रक्रियाओं, पेपरलेस व्यवस्था, यूट्यूब पर कार्यवाही के सजीव प्रसारण और राजस्थान विधानसभा के डिजिटल म्यूजियम के माध्यम से पारदर्शिता को नई ऊँचाइयों पर ले जाया गया है। यह एक प्रकार का सोशल ऑडिट है, जो सदन को निरंतर सजग बनाए रखता है।

पीठासीन अधिकारियों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का आसन केवल एक रेफरी का नहीं, बल्कि संविधान के संरक्षक का होता है। नियमों की व्याख्या इस प्रकार होनी चाहिए कि वह चर्चा को रोकने वाली नहीं, बल्कि उसे विस्तार देने वाली हो। विधायिका को स्वयं का आत्म मूल्यांकन करना होगा, इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने सदनों में सदस्यों की उपस्थिति विधेयकों के विविध पहलुओं पर चर्चा और सदन के भीतर संसदीय मर्यादाओं के पालन को विचारणीय बताया देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र कोई अंतिम मंजिल नहीं, बल्कि एक निरंतर यात्रा है और इस यात्रा में विधायिका जनता के विश्वास के ईंधन से चलती है। राजस्थान विधानसभा लोकतांत्रिक मूल्यों, विधायी मर्यादाओं और जनता के विश्वास की रक्षा के अपने संकल्प पर सदैव दृढ़ रहेगी। उन्होंने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को बधाई दी और सभी प्रतिभागियों का आभार जताया।